http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 40

प्रयागराज शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

आज रात ओडिशा से टकराएगा 'दाना'

● तेज हवा-बारिश जारी, 300 उड़ानें, 552 ट्रेनें रद्द, बंगाल समेत 7 राज्यों पर असर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। साल 2020 में आईएमडी के रीजनल सेंटर ने चक्रवाती तूफानों के 169 नामों की सूची जारी की थी, इस समूह में शामिल हर देश ने 13–13 नामों का सुझाव दिया है, जिन्हें बारी–बारी से उस क्षेत्र में आने वाले तूफानों को दिया जाता है। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान दाना तेजी से ओडिशा और बंगाल के तट की तरफ बढ़ रहा है। इस तूफान के आज मध्य रात्रि या कल सुबह तट से टकराने की आशंका है। ये तूफान भारी तबाही मचा सकता है, जिसे लेकर राज्य सरकारें और केंद्र पूरी तरह अलर्ट है और 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। इस पूरे मामले के बीच एक सवाल सभी के मन में उठ रहा होगा कि ओडिशा, बंगाल की तरफ बढ़ रहे इस चक्रवाती तूफान का नाम दाना कैसे पड़ा और ये किसने दिया और क्यों? तो आइए जानते हैं इस सवाल का जवाब और साथ ही ये भी जानते हैं कि चक्रवाती तूफानों को नाम देने की प्रक्रिया क्या है और इसके क्या नियम हैं। कतर ने दिया है श्दानाश नाम चक्रवाती तूफान दाना बीते दो महीनों में भारतीय तट से टकराने वाला दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले अगस्त के अंत में चक्रवाती तूफान असना भी भारतीय तट से टकराया था। चक्रवाती तूफानों को नाम देने की एक परंपरा है और विश्व मौसम संगठन (WMO) ने चक्रवाती तूफानों को नाम देने की एक पूरी प्रक्रिया निर्धारित की है। इसी प्रक्रिया के तहत ही दाना नाम दिया गया है। बता दें कि इसी प्रक्रिया के तहत कतर ने श्दानाश नाम दिया है, जिसका मतलब होता है उदारता। चक्रवाती तूफानों के नाम कैसे तय किए जाते हैं? दुनियाभर में छह रीजनल स्पेशलाइज्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर्स (Regional Specialised Meteorological Centres) हैं। वहीं पांच रीजनल ट्रॉपिकल साइक्लोन वार्निंग सेंटर्स हैं। इन्हीं क्षेत्रीय केंद्रों को तूफान से जुड़ी एडवाइजरी जारी करने और उनके नाम तय करने का अधिकार होता है। भारतीय मौसम विभाग दुनिया के छह रीजनल स्पेशलाइज्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर्स में से एक है।

ग्राम पंचायतों को स्मार्ट बनाएंः सीएम

● पहले योग्यता नहीं बल्कि पहुंच और पैसे से मिलती थी नौकरीः योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में यूपीएसएसएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया। इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में नियुक्ति पाने वाले युवाओं से कहा कि अपनी अपनी ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर और स्मार्ट बनाएं। आज पारदर्शी तरीके से नियुक्ति पा रहे युवाओं से एक अपेक्षा है कि ग्राम पंचायत अधिकारी की जिम्मेदारी बड़ी होती है। गांधी जी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने की इकाई ग्राम पंचायत ही है। पीएम मोदी ने भी 2047 में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की बात की है। इसकी नींव पंचायतें ही बनेगी। ग्राम पंचायतों को काफी अधिकार दिए गए हैं। आज 57 हजार ग्राम पंचायत के अपने भवन और इंटरनेट, वाईफाई सुविधा भी है। आपको गांव की समस्या का समाधान वहीं पर करना है। लोगों को जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र वहीं मिले। उन्होंने कहा कि गांव को आत्मनिर्भर बनाएं सिर्फ सरकार पर ही न निर्भर रहें। खुद के आय के स्रोत विकसित करें। गांव की जमीन होगी, बाजार होगा, दुकान होगी, तालाब होगा, इसका आय बढ़ाने में प्रयोग करें। तालाब में ड्रेनेज न हो, उसमें मछली पालन करें। गांव में कूड़ा निस्तारण, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरा, पब्लिक एड्रेस सिस्टम हो। गांव स्मार्ट भी होगा, आत्मनिर्भर भी बनेगा। आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव मिले, इसके लिए काम करें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित ग्राम पंचायत अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षकों को नियुक्ति–पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सरकार सुविधा भी देगी और संरक्षण भी मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपको सुविधा भी देगी और संरक्षण भी लेकिन आपको आम जनता के प्रति जवाबदेह बनना होगा। ग्राम पंचायत को रोल मॉडल बनाना होगा। गांव में कम्युनिटी सेंटर बनाकर यूजर चार्ज लें। सामुदायिक शौचालय को साफ रखें। अगर सरकार के पास आय नहीं होगी तो 12 लाख कर्मचारियों को वेतन, पेंशन कैसे दिया जाएगा और प्रदेश का विकास कैसे होगा? इन सभी के लिए आदर्श गांव, विकसित गांव और आत्मनिर्भर गांव बनाएं तभी यूपी देश की नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनेगा और 2047 में विकसित भारत बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली से पहले नियुक्ति पत्र के रूप में आपको उपहार मिल रहा है। पीएम के मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की गई है।

सीएम हिमंत शर्मा बोले- दलितों का अनादर करती है कांग्रेस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह दलितों का अनादर करती है और उनके साथ तीसरे दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार करती है। शर्मा ने हाल में सामने आए एक वीडियो के संबंध में यह टिप्पणी की है, जिसमें प्रियंका गांधी वाद्रा के वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बाहर इंतजार करते हुए नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने रांची में संवाददाताओं से कहा, ''प्रियंका गांधी वाद्रा के नामांकन दाखिल करने के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे के साथ जो व्यवहार किया गया है, लोगों ने उसे देखा है और उसके बाद दलितों के मुद्दे पर कांग्रेस की पोल खुल गई है।श्श उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी नाटक करते हैं और दिखावा करते हैं कि वह दलितों का सम्मान करते हैं, लेकिन जिस तरह से खरगे जी के साथ व्यवहार किया गया उससे यह स्पष्ट है कि कांग्रेस दलितों को अछूत और तीसरे दर्जे का नागरिक मानती है।श्श असम के मुख्यमंत्री शर्मा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सह–प्रभारी हैं। उन्होंने कहा, ''खरगे जी के साथ जो हुआ वह स्वतः स्पष्ट है।श्श वह आज दिन में भाजपा नेताओं के नामांकन भरने के दौरान मौजूद रहेंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को कराए जाएंगे जबकि 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

अखिलेश यादव ने राहुल गांधी के साथ शेयर की तस्वीर

हमने ये ठाना है, संविधान बचाना है

● बात सीट की नहीं जीत की है: अखिलेश यादव

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पार्टी के चुनाव चिन्ह 'साइकिलश पर इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (INDIA) के उम्मीदवार उतारने के ऐलान किया। इसके बाद आज (बृहस्पतिवार) को कांग्रेस के साथ एकजुटता दिखाते हुए सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और कहा कि दोनों दलों ने संविधान, आरक्षण और सौहार्द को बचाने का संकल्प लिया है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर कहा, ''हमने ये ठाना है, संविधान, आरक्षण, सौहार्द बचाना है। बापू–बाबासाहेब–लोहिया के सपनों का देश बनाना है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें दोनों नेता एक–दूसरे का हाथ उठाए एकजुटता प्रदर्शित कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को ऐलान किया था कि 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में सभी नौ सीट पर 'इंडियाश के उम्मीदवार उनकी पार्टी के चुनाव चिन्ह 'साइकिलश पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और सपा एकजुट हैं और 'इंडियाश उपचुनाव में जीत की नई इबारत लिखेगा। सपा ने नौ में से दो सीट गाजियाबाद और खैर 'इंडियाश में उनकी सहयोगी कांग्रेस को दी थीं। लेकिन अटकलें है कि कांग्रेस उपचुनाव लड़ने में इच्छुक नहीं है। बात सीट की नहीं जीत की है: अखिलेश अखिलेश यादव ने 'एक्सश पर कहा था, ''बात सीट की नहीं जीत की है। इस रणनीति के तहत इंडिया के संयुक्त प्रत्याशी सभी नौ सीट पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिह्न 'साइकिलश के निशान पर चुनाव लड़ेंगे।श्श उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ आने से समाजवादी पार्टी की शक्ति कई गुना बढ़ गयी है। इस अभूतपूर्व सहयोग और समर्थन से सभी नौ विधानसभा सीट पर 'इंडियाश का एक–एक कार्यकर्ता जीत का संकल्प लेकर नयी ऊर्जा से भर गया है। इन सीटों पर होगा चुनाव बता दें कि राज्य की नौ सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होने हैं। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। जिन विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं उनमें कटेहरी (आंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर शहर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शामिल हैं।

रीवा की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में यादव ने की विभिन्न घोषणाएं

रीवा,(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रीवा की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न घोषणाएं कीं। डॉ यादव ने कल देर शाम कॉन्क्लेव में कहा कि सिंगरौली एवं कटनी में दो इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) का निर्माण किया जाएगा। मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क भी निर्मित किया जाएगा। रीवा संभाग के सिंगरौली, सीधी, मऊगंज और मैहर जिले में एमएसएमई विभाग के नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। रीवा एवं सतना जिले में वर्तमान स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र बैढ़न में जल आपूर्ति हेतु 84 लाख रुपए की लागत से नयी योजना क्रियान्वित की जाएगी। विंध्य क्षेत्र में पर्यटन के विकास के लिए देशी एवं विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेष टूर पैकेज एवं पर्यटन सर्किट बनाये जाएंगे। संजय दुबरी नेशनल पार्क के आसपास अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पर्यटक सुविधाएं विकसित की जायेंगी। विंध्य क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से बेहतर होटल, रिसोर्ट तथा पर्यटन परियोजनाएं विकसित करने के लिए पर्यटन निवेश नीति में और अधिक आकर्षक प्रावधान जोड़े जाएंगे।

नोएडा में प्रॉपर्टी डीलर का कत्ल

● कुत्ते के पट्टे से गला दबाया... फिर लाश लेकर चार घंटे तक घूमे, इसलिए दोस्त बने दुश्मन

ग्रेटर नोएडा,(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के दादरी में दोस्तों ने ही गाजियाबाद के प्रॉपर्टी डीलर संजय यादव की हत्या की साजिश रची। साजिश के तहत दोस्त विशाल राजपूत और जीत चौधरी ने संजय को थाना मधुबन बापूधाम के अक्षय एंक्लेव की जैन बिल्डिंग स्थित घर बुलाया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपियों ने पैसे और गहने हड़पने के लिए वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद संजय का शव ठिकाने लगाने के लिए आरोपी चार घंटे तक घूमते रहे। रात 11 बजे उन्होंने दादरी के नंगला नैनसुख के पास कार में आग लगा दी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि संजय हर समय अपने पास मोटी रकम रखते थे। कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर की हत्या साथ ही सोने के गहने भी पहनते थे। पैसे और गहनों को हड़पने के लिए दोनों ने मंगलवार दोपहर संजय को बुलाया। वहां तीनों ने बीयर पी। नशा होने पर आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर से सोने की चेन, ब्रेसलेट, अंगूठी और 6250 रुपये लूट लिए। प्रॉपर्टी डीलर के विरोध करने पर कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने शाम करीब 4 बजे प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी थी। आरोपियों ने उसी समय शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया। हालांकि बाहर उजाला होने के कारण वह सफल नहीं हो सके। अंधेरा छाने के बाद आरोपियों ने प्रॉपटी डीलर की फॉच्यूर्नर में शव पिछली सीट पर डाल दिया। रात करीब 11 बजे दादरी कोतवाली क्षेत्र में कोट पुल से छोलस की तरफ जाने वाले रास्ते पर सुनसान जगह पर गाड़ी रोकी। वहां पेट्रोल डालकर कार में आग लगा दी। आरोपी अपनी बाइक से पेट्रोल निकालकर डब्बे में लेकर आए थे। कार के नंबर से हुई शव की शिनाख्त सूचना मिलते ही रात 11 बजे के बाद दादरी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल विभाग की मदद से आग पर काबू पाया गया।

हालांकि तब तक शव काफी जल चुका था। उसकी शिनाख्त मुश्किल थी। जिंस समेत कपड़ों के कुछ हिस्से बचे थे। मौके से जला हुआ मोबाइल बरामद हुआ। कार के नंबर और कपड़ों के आधार पर परिजनों ने प्रॉपर्टी डीलर की पहचान की। कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या गाजियाबाद के रहने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर की दोस्तों ने कुत्ते के पट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी। आरोप है कि एक साथ बीयर पीने के बाद प्रॉपर्टी डीलर से सोने की चेन, ब्रेसलेट व अन्य जेवरात और नकदी लूटी और फिर हत्या कर दी। आरोपियों ने दादरी कोतवाली क्षेत्र के नंगला नैनसुख गांव के पास कार में शव रखकर आग लगा दी।

शराबबंदी को लेकर जदयू राजद में घमासान

पटना,(एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी को लेकर सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एक दूसरे पर कटाक्ष करते हुए एक दूसरे के लिए नया नया नामकरण भी किया। राजद ने जहां बिहार में जहरीली शराब से हो रही मौतों और अवैध शराब की तस्करी को लेकर जदयू का फुलफोर्म श श्रक्न –जहां दारू अनलिमिटेडश कहा तो जदयू ने भी तीखा पलटवार किया है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधान परिषद के सदस्य नीरज कुमार ने गुरुवार को राजद का नया नामकरण किया। उन्होंने कहा कि श्राजद मतलब राष्ट्रीय जहरीला दलश है। श्री कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय जहरीला दल यानी राजद वैसी पार्टी है, जिसने समाज में जहर घोला. जाति, धर्म, अपराध, हत्या, फिरौती, अपहरण को बढ़ाया. और राजद वाले तो भ्रष्टाचार के कुल शिरोमणि हैं ही। वहीं राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जदयू का मतलब जहां दारू अनलिमिटेडश ही है। जदयू के कारण ही बिहार में हर घर में शराब उपलब्ध है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता संरक्षण में ही शराब तस्करी फलफूल रहा है। शराब माफिया को कोई नकेल नहीं कसी गई है. जदयू के पदाधिकारी ही शराब तस्करी में शामिल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जिस अधीक्षक ने जदयू के लोगों को पकड़ा उसे ही हटा दिया गया। उन्होंने कहा, श्शराब से बिहार की जनता हो रही बर्बाद, जदयू है पूरी तरह जिम्मेदार.श । राजद ने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरते हुए उन्हें और उनकी पार्टी को जहरीली शराब से होने वाली मौतों के लिए जिम्मेदार बताया है। राजद ने ट्विट कर जदयू पार्टी के नामकरण के साथ एक सवाल का जवाब भी दिया है। दरअसल, राजद ने ट्विट कर जनता दल युनाइडेट का नया नामकरण करते हुए कहा है कि, जे– जहां डी– दारू यू– अनलिमिटेड। राजद ने आरोप लगाया है ।

भारत अफ्रीकी व अन्य विकासशील देशों के साथ बुनियादी ढांचे पर साझेदारी को तैयारः सीतारमण

वाशिंगटन,(एजेंसी)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को यहां कहा कि भारत अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों के साथ उनके बुनियादी ढांचे के लचीलेपन को मजबूत करने के लिए साझेदारी करने के वास्ते तैयार है। श्रीमती सीतारमण ने यहां विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठक 2024 के अवसर पर आपदा रोधी अवसंरचना पर गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। गोलमेज सम्मेलन में जाम्बिया के वित्त मंत्री सितुम्बेको मुसोकोटवाने, भूटान के वित्त मंत्री ल्योंडो लेके दोरजी, मेडागास्कर के परिवहन एवं मौसम विज्ञान मंत्री वालेरी रामोनजावेलो, अंगोला के योजना मंत्री विक्टर ह्यूगो गिलहर्म, कोमोरोस के वित्त मंत्री , कांगो की संसाधन मंत्री सादा मकुया सालुम, जांजीबार की वित्त मंत्री आदि ने भाग लिया। इसमें इथोपिया की वित्त मंत्री, इक्वेटोरियल गिनी की वित्त, योजना और आर्थिक विकास मंत्री, यूएसएड पॉलिसी के प्रतिनिधि, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के जलवायु परिवर्तन के प्रतिनिधि और फ्रांसीसी जलवायु दूत आदि भी मौजूद थे। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज की प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ लचीलापन और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल हमारे बुनियादी ढांचे प्रणालियों को बदलने के लिए आपदा लचीला बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन सीडीआरआई बनाया। उन्होंने बुनियादी ढांचे और इसके द्वारा समर्थित महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए जलवायु–प्रेरित जोखिमों को बढ़ाकर विकास लाभों को कम करने के खतरे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने न केवल मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश करके, बल्कि राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों के निर्माण के माध्यम से संस्थागत क्षमता का निर्माण करके लचीला आर्थिक विकास सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि 2020 में चक्रवात अम्फान के दौरान, भारत ने समन्वित तरीके से 24 लाख से अधिक लोगों को निकाला, जिससे जानमाल का नुकसान कम हुआ।

इसके सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में भारत की प्रतिबद्धता को आश्वस्त करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि साझा चुनौतियों के प्रति वैश्विक दक्षिण को सहायता प्रदान की गयी है और भारत की जी 20 अध्यक्षता के तहत आपदा और जलवायु–लचीले बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ाने।

जमीनी हकीकत

2014 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदीजी ने पदभार संभालते ही सबका साथ–सबका विकास का नारा दिया और पूरी लगन से इस पर अमल भी किया और आज भी किया जा रहा है । कालांतर में इसमें सब का विश्वास और सब का प्रयास भी जोड़ दिया गया ।परन्तु तेजी से अन्य पार्टियों के लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं और स्वयं भाजपा के कुछ प्रवक्ता इसमें पलीता लगा रहे हैं, उसे चिंता बढ़ रही है । इसी कारण पिछले दिनों मोदी जी ने न केवल भाजपा के अपितु सहयोगी दलों को सभी प्रवक्ताओं का बायोडाटा मांगा है ताकि स्क्रीनिंग की जा सके । यह जरूरी भी है क्योंकि अनेक प्रवक्ता पार्टी लाइन के बाहर या भड़काऊ या विपदा पैदा करने वाले बयान दे देते हैं । कई बार अन्य राजनैतिक दलों के नेताओं का नाम लेकर भी उनका मजाक उड़ाया जाता है । मोदीजी का नया नारा है पार्टी से बढ़कर देश वे कहते हैं हमें 2047 में भारत को विश्व का सिरमौर बनाना होगा । उनके अनुसार पार्टियों का संघर्ष 2024 के चुनाव के बाद खत्म हो गया, अब हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देश के बारे में सोचना है । भारत में छरू ग्रुप अल्पसंख्यक माने जाते हैं —— सिख, जैन, ईसाई, पारसी, मुसलमान और बौद्ध ।

इस समय केन्द्रीय मंत्रिमंडल में रवनीत सिंह व हरदीप पुरी सिख हैं । रामदास आठवले बौद्ध हैं । मंत्रिमंडल में ईसाई और जैन भी हैं । अब कोई पारसी मंत्रिमंडल में नहीं हैं । स्मृति ईरानी अमेठी से हारने के बाद अब उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है । वैसे वे पारसी इस कारण हैं कि उन्होंने एक पारसी से शादी की है । परन्तु मंत्रिमंडल में कोई भी मुसलमान मंत्री नहीं है । असल में भाजपा का कोई भी सांसद मुसलमान नहीं हैं । यूं सहयोगी पार्टियों के कई सांसद मुसलमान हैं ।

असल में जमीनी स्तर पर कोई भेदभाव नहीं होता है । झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्री घर मिलने में मुसलमान भी शामिल हैं । मुस्लिम महिलाओं को भी फ्री गैस सिलेण्डर मिला है । किसी भी सरकारी स्कीम में कोई भेदभाव नहीं है ।

परन्तु जब कांवड़ यात्रा के दौरान मस्जिदों और मजारों को ढंकने की बात आती है या मुसलमानों द्वारा हिन्दू देवी–देवताओं के नाम पर दुकानध्होटल चलाने में आपत्ति होती है तो चिंता स्वाभाविक है । देश में ऐसा कोई कानून नहीं है कि कोई भी मुसलमान हिन्दू नाम नहीं रख सकता अपनी दुकान का । बात शुद्धता है । अनेक मुसलमानों ने कांवडियों के लिए शिविर लगाये हैं । वे उन पर पुष्प वर्षा करते हैं । उग्र हिन्दुत्व से देश का भला नहीं होने वाला है ।

आजकल संबित पात्रा का नाम सुनाई नहीं पड़ता । वे 2019 के लोकसभा चुनाव में पुरी (उड़ीसा) से हार गये थे । परन्तु 2024 में वे पुरी से जीत कर अब सांसद हैं । इसका एक बड़ा कारण यह है कि कांग्रेस की महिला उम्मीदवार ने अपना नाम वापिस ले लिया था । शायद संबित पात्रा उड़ीसा के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों । उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भी जगह नहीं मिली है । जो भी हो वे एक कुशल ई.एन.टी. सर्जन हैं । शायद फिर से प्रैक्टिस शुरू करें ।

असल में पार्टी लाइन की रक्षा के लिए सभी प्रवक्ताओं की स्क्रीनिंग बहुत जरूरी हैं । उनके लिए गाइड लाइन निर्धारित होनी चाहिए और अन्य पार्टियों के नेताओं पर अनर्गल भी नहीं बोलना चाहिए । पक्ष और विपक्ष में शत्रुता नहीं है । यह विचारधारा का अंतर है और प्रजातंत्र में वैचारिक मतभेद शुभ लक्षण है ।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है।

बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय–समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016–17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड–19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वर्षो में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड–19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड–19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं।

देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात–निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड–19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु–पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।

भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह–जगह जल–भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति–निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त करके महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय–समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु–पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

पलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज कर दिए हैं। धारा 370 के खात्मे के बाद घाटी के हालात में जबरदस्त सुधार देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

स्थानीय स्तर पर घाटी के मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह छोड़कर जब करियर बनाने की दिशा में पहल कर दी तो पाक की भारतीय सीमा में युवाओं को लालच देकर आतंकी बनाने की मंशा पर विराम लग गया।

अतएव अब उसने अपने ही पूर्व सैनिकों को पल्रोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ करानी शुरू कर दी। नतीजतन भारतीय जमीन पर एक बार फिर से आतंकी घटनाओं का सिलसिला तेज हो गया। जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक सेना के कप्तान समेत पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबल निरंतर आतंकियों को मार गिरा रहा है। बावजूद घुसपैठ का सिलसिला बना हुआ है, जो देश और सेना के लिए चिंता का सबब है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक घाटी में करीब डेढ़ माह से जारी आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व सैनिकों की लिप्ता के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एजेंसियां इसका यह भी मानकर चल रही हैं कि घाटी में भारी मतदान के बाद पाकिस्तान हताशा के दौर से गुजर रहा है ।उसे आशंका है कि कहीं विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू–कश्मीर प्रांत में लोकतंत्र की बहाली न हो जाए? इसलिए वह घाटी में हमलों के जरिए माहौल खराब करके दहशत का वातावरण रचने में लगा है। अलगाववादी सुर का आलाप करने वाले मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार को मतदाता ने हराकर यह साबित कर दिया कि घाटी के हालात बदतर करने में इन परिवारों की भूमिका अहम रही है। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए ।इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश–ए–मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। यह अंततरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से आने वाले

आतंकियों को घाटी के सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम करता था। घाटी में रहने वाले ये वार्कर घने वनों और दुर्गम इलाकों में छोटे–छोटे घर बनाकर रह रहे हैं ।रियासी जिले में हिंदू भक्तों की बस पर गोली चलाने वाले आतंकियों को इन्हीं ओवर ग्राउंड वर्कर ने मदद की थी। भारतीय सेना के अनुसार ओवर ग्राउंड वार्का वे लोग होते हैं, जो उग्रवादी या आतंकवादियों को रसद, नकदी, आश्रय और अन्य रहने लायक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध ा कराते हैं। सेना इस नेटवर्क को नष्ट कर रही है। पाक सेना कितनी दगाबाज है, इसका खुलासा पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व अधिकारी शाहिद अजीज ने श्द नेशनल डेलीय में किया था।इसमें कहा गया था कि कारगिल युद्ध में पाक आतंकवादी नहीं, बल्कि उनकी वर्दी में पाकिस्तानी सेना के नियमित सैनिक ही लड़ रहे थे और इस लड़ाई का लक्ष्य सियाचिन पर कब्जा करना था। चूंकि यह लड़ाई बिना किसी योजना और अंतरराष्ट्रीय हालात का अंदाजा लगाए बिना लड़ी गई थी, इसलिए तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने पूरे मामले को रफा–दफा कर दिया था। इससे यह तथ्य तो प्रमाणित होता है कि पाकिस्तानी फौज इस्लामाबाद के पूरे नियंत्रण में नहीं है। आतंकी सरगना हाफिज सईद भारत–पाक सीमा पर खुलेआम घूम रहा है। जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी दहशतगर्दी फैलाने में शरीक हैं ।यपाकिस्तान पूर्व सैनिकों को आतंकी बना रहा है। इसका सत्यापन इस तथ्य से भी होता है कि हाल ही में मारे में जिन आतंकियों से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं, उनका संचालन आसानी से सेना से प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। इन हथियारों में एम–4 कार्बाइन, 509 टैक्टिगल गन और एम–1911 और स्टेयर एयूजी रायफल बरामद हुई हैं। आतंकियों के पास से अल्ट्रा और माइक्रो रेडियो सेट भी बरामद हुए हैं। इनके नेटवर्क में सेंध लगाना आसान नहीं है। ये उपकरण भी अमेरिका द्वारा निर्मित हैं ।अफगानिस्तान में नाटो सेनाओं ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया था। अतएव ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार अब जम्मू–कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंच रहे हैं। यदि यह तथ्य एक ठोस सच्चाई है तो कश्मीर में आतंकी हिंसा का दुश्चक्र बढ़ता दिखाई दे सकता है? दरअसल, ये हथियार पाकिस्तान के जरिए भी आतंकियों को मिल सकते है और सीधे अफगानिस्तान से भी लाए जा सकते हैं। भारतीय एजेंसियों को ऐसी सूचनाएं भी मिली हैं, कि इन्हें तालिबान सीधे आतंकियों को आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए बेच भी रहा है। पिछले चार वर्ष से आतंकियों के पास स्टेयर एयूजी रायफल होने के सूचनाएं मिल रही थीं।

परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर समस्या

अजीत द्विवेदी

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने कहा है कि देश के इस सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र दो हफ्ते आगे बढ़ गया है क्योंकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय परीक्षा यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट, सीयूईटी के नतीजे नहीं आएं हैं। पहले से तय कैलेंडर के मुताबिक 30 जून तक नतीजे आ जाने थे। लेकिन सीयूईटी की परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 30 जून तक आंसर की भी जारी नहीं किए। आंसर की जारी होने के बाद कम से कम 10 दिन का समय लगता है अंतिम नतीजे आने में। एनटीए ने आंसर की तो जारी कर दी है लेकिन नतीजे का इंतजार अब भी हो रहा है ताकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की शुरुआत हो सके। दाखिला होने के बाद ही तो अकादमिक सत्र शुरू होगा!

इस बीच देश के एक दूसरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय जेएनयू ने स्नात्तकोत्तर यानी पीजी में दाखिले के लिए अपनी परीक्षा अलग कराने पर विचार शुरू कर दिया है। इसका मतलब है कि एनटीए पर से उसका भरोसा डोल गया है और उसको लग रहा है कि अगर एनटीए के भरोसे रहे तो उसका भी अकादमिक सत्र धीरे ध ीरे पिछड़ता जाएगा। तीसरी खबर यह है कि विश्वविद्यालयों में लेक्चरर की पात्रता तय करने के लिए होने वाली यूजीसी नेट की परीक्षा अगस्त के महीने में होगी। यह परीक्षा 18 जून को हुई थी और पेपर लीक की आशंका के चलते 19 जून को परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

परीक्षा रद्द करते ही इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई, जिसने बताया है कि इसका पेपर लीक नहीं हुआ था। किसी छात्र शरारतपूर्ण तरीके से एक फर्जी पेपर सोशल मीडिया में डाल दिया, जिसे एनटीए ने असली समझ कर परीक्षा रद्द कर दी। सोचें, एनटीए ने सोशल मीडिया में वायरल पेपर का यूजीसी नेट के असली पेपर से मिलान करने की जरुरत भी नहीं समझी। उसे भारत सरकार की एक एजेंसी से सूचना मिली की पेपर ऑनलाइन उपलब्ध है और उसने परीक्षा रद्द कर दी! यह अलग बात है कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद भी एनटीए ने उस परीक्षा को रद्द नहीं किया है और सुप्रीम कोर्ट में जी तोड़ प्रयास किया कि परीक्षा रद्द नहीं हो। दोनों परीक्षाओं के प्रति उसके अलग अलग रवैए का कारण समझना मुश्किल है।

बहरहाल, प्रवेश और प्रतियोगिता परीक्षाओं की इन गड़बडियों और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ते इनके प्रभाव को लेकर सहज रूप से पूरे देश में चिंता है। सरकार ने श्एक देश, एक परीक्षाय और श्एक देश, एक शिक्षाय की नीति के चक्कर में सबको मुश्किल में डाला है। ऐसा लग रहा है कि सरकार एक देश, एक सब कुछ से ऑबसेस्ड है। श्एक देश, एक चुनावय, श्एक देश, एक टैक्सय, श्एक देश, एक कानूनय आदि इसी का नतीजा हैं। यह सब कुछ बिना ये सोचे हो रहा है कि भारत किसी यूरोपीय या अफ्रीकी या लैटिन अमेरिकी देश की तरह का देश नहीं है, जहां पूरी आबादी एक तरह की है और जहां एक तरह की शिक्षा, संस्कृ ति, भाषा, खान–पान, पहनावा प्रचलित है। भारत एक विशाल देश है, जिसमें असीमित विविधताएं हैं। यहां एक देश, एक सब कुछ का ऑब्सेशन नुकसान पहुंचाने वाला साबित हो सकता है। यह बात परीक्षा और शिक्षा

दोनों के मामले में भी सही है। यहां आबादी 140 करोड़ है और एक परीक्षा में इतने लोग शामिल होते हैं, जितनी कई देशों की आबादी होती है। इसलिए इतनी बड़ी परीक्षाएं एक साथ आयोजित करने की जिद सरकार को छोड़ देनी चाहिए। मेडिकल, इंजीनियरिंग से लेकर विश्वविद्यालयों में दाखिले की जिम्मेदारी राज्यों पर छोडनी चाहिए।

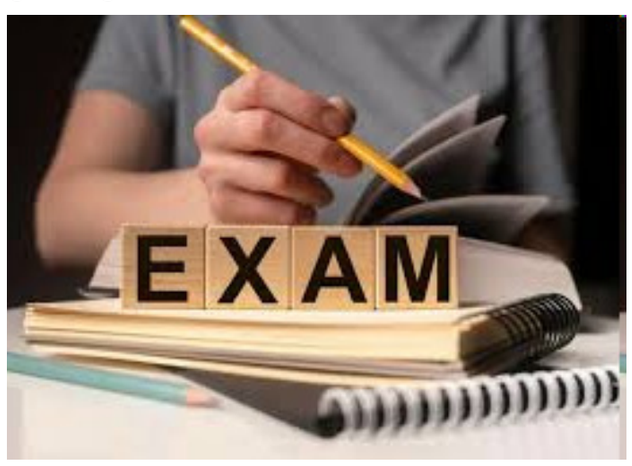

राज्यवार परीक्षाएं होंगी तो उनके आयोजन की जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर होगी। दूसरे, उनमें एक बार में कम छात्र शामिल होंगे और गड़बड़ी होने पर उनका असर भी सीमित होगा। तीसरे राज्य अपनी जरुरत के हिसाब से चयन करेंगे। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के जरिए सिर्फ अखिल भारतीय सेवाओं में बहाली की परीक्षाएं ही आयोजित करनी चाहिए। सिर्फ नीट यूजी की परीक्षा, जिस पैमाने पर हुई उससे समझा जा सकता है कि केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था बनाने से कितनी मुश्किलें हैं। इस एक परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए और एक बार में 4,750 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया। इतनी बड़ी परीक्षा आयोजित करना किसी भी एजेंसी के लिए बहुत मुश्किल काम है। इतने परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र पहुंचाना, परीक्षा के बाद आंसर शीट को संभालना, उसकी देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना कि न पेपर लीक हो और न परीक्षा के बाद आंसर शीट में कोई छेड़छाड़ हो, मुश्किल काम है। इसमें हमेशा किसी न किसी किस्म की गड़बड़ी की आशंका बनी रहेगी।

बहरहाल, परीक्षा की व्यवस्था को केंद्रीकृत करने का क्या नुकसान है यह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए और नेशनल रिक्रूटमेंट एजेंसी यानी एनआरए की विफलता से प्रमाणित है। इस साल एनटीए की चार परीक्षाएं सवालों के घेरे में हैं, जिनमें से एक रद्द हो गई, दो की तारीख बढ़ी और एक का मामला कोर्ट में पेंडिंग है। इस संस्था को 14 लोगों की एक ऐसी टीम चला रही है, जिसके सभी अधिकारी अलग अलग विभागों से डेपुटेशन पर आए हैं। इस एजेंसी ने परीक्षा से जुड़ा सारा काम आउटसोर्स किया है। यानी ठेके पर काम कराया जा रहा है। जहां तक राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी यानी एनआरए का मामला है तो यह एजेंसी चार साल से टेकऑफ ही नहीं कर पाई है। चार साल पहले इसका गठन हुआ था और अभी तक इस पर 58 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं लेकिन इस एजेंसी ने एक भी परीक्षा नहीं कराई है। 2020 में बनी इस एजेंसी को पहला टेस्ट 2021 में कराना था लेकिन 2024 तक यह एजेंसी एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है ।इस बीच सरकारी भर्ती करने वाली तीन एजेंसियों स्टाफ सेलेक्शन कमीशन यानी एसएससी, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड यानी आरआरबी और इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन यानी आईबीपीएस ने कहा है कि वे अपनी अलग परीक्षाएं आयोजित करते रहेंगे। सोचें, अगर एक केंद्रीकृत परीक्षा होती है और ऊपर से इन तीन एजेंसियों की परीक्षा भी होती है तो कितना कंफ्यूजन होगा? सरकार अगर एक देश, एक परीक्षा की जिद छोड़ दे तो सारे कंफ्यूजन से मुक्ति मिल सकती है। सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि पूरे देश में और हर तरह की पढ़ाई या नौकरी के लिए एक परीक्षा नहीं हो सकती है। सारी नौकरियों के लिए एक परीक्षा से पात्रता तय नहीं की जा सकती है और न सारे विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए एक परीक्षा से पात्रता तय करनी चाहिए और न भारत जैसी बड़े व विशाल आबादी वाले देश में सारी प्रतियोगिता परीक्षाओं के आयोजन का जिम्मा किसी एक एजेंसी को दिया जा सकता है। अगर सरकार इस जिद पर अड़ी रही तो हर साल परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर समस्या आती रहेगा।

लापरवाही पर एसबीआई के बैंक समन्वयक को लगायी फटकार

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने उद्यमियों की समस्याओं के सम्बन्ध में अब तक की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। उद्यमियों ने बैठक के दौरान अपनी-अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष अवगत कराया। उद्यमी

➤ न्यायालय में लम्बित वादों का निस्तारण एक माह के भीतर प्राथमिकता के आधार पर किया जाये—डीएम

अनुराग खण्डेलवाल प्रोपराइटर ने बताया कि मेसर्स श्री सांई फूड एवं एग्री डेवलपमेन्ट इण्डस्ट्रीज महुली मण्डी परिसर में पंजीकृत है एवं महुली मण्डी परिसर में अपने व्यवसाय हेतु स्थान आवंटित कराना चाहते है जिसके लिये जिलाधिकारी ने मण्डी सचिव को नियमानुसार प्रकरण के निस्तारण करने के निर्देशित दिये।

बैठक में बताया गया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में बैंकों को 15 आवेदन पत्र प्रेषित किये गये है जिनमें से 09 आवेदन पत्र स्वीकृत किया गये है जिसके सापेक्ष 08 आवेदन पर ऋण वितरित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में विभिन्न बैंकों को 148 आवेदन पत्र प्रेषित किये गये है जिनमें से 53 आवेदन स्वीकृत किये गये जिसके सापेक्ष 44 आवेदनों पर ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत अभी तक कोई लक्ष्य प्राप्त नही

हुआ है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि एसबीआई द्वारा पत्रावलियों के कार्यो में लापरवाही बरती जा रही है जिस पर जिलाधिकारी ने एसबीआई के बैंक समन्वयक को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि यदि 15 दिनों के अन्दर पत्रावलियों पर कोई कार्यवाही नही की जायेगी तो एसबीआई के बैंक समन्वयक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर चीफ जनरल मैनेजर को पत्र प्रेषित किया जाये। जिलाधिकारी ने बैंकों के समन्वयकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि बैंकों में पत्रावलियॉ को बेवजह लम्बित न रखें जल्द से जल्द उसका निस्तारण किया जाये और ऋण वितरण की कार्यवाही भी की जाये। उन्होने निर्देशित किया गया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में लाभार्थियों के ज्यादा से ज्यादा आवेदन पत्र प्राप्त किये जाये जिससे बैंकों द्वारा उन्हें लाभ प्राप्त हो सके।

बैठक में जिलाधिकारी ने आये हुये उद्यमियों की समस्याओं को सुना एवं उनके शिकायती पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों को हस्तगत करते हुये निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, बैंकों के जिला समन्वयक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमियों में मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, अनुराग खण्डेलवाल आदि उपस्थित रहे।

दीपावली के पूर्व घाटों की सफाई का शुरु किया अभियान

चित्रकूट(आरएनएस)। दीपावली के पूर्व मंदाकिनी नदी के घाटों की सफाई का अभियान बुंदेली सेना ने पुलघाट कर्वी से शुरु किया। पुल के नीचे इकठ्ठा बड़े पनसोखना के ढेर को पहले दिन नदी से बाहर निकाला गया। कर्वी के घाटों की सफाई के बाद सीतापुर के नदी घाटों में अभियान चलेगा। लोगों से नदी में पालीथिन कचरा न फेकने और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियाँ पुलघाट स्थित बरगद के चबूतरे में रखने की अपील की गई है।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि बाढ़ के दौरान कर्वी पुल के नीचे एक बड़ा पनसोखना चारा का ढेर पिलर के पास एकत्र हो गया था। मंगलवार को सबसे पहले सफाई अभियान की शुरुआत इसी चारे को निकालने के साथ हुई। इसके बाद पुलघाट की सीढ़ियाँ मिट्टी मलबे से पटी हुई हैं। जिसकी सफाई होगी और फिर सीतापुर में नदी को स्वच्छ किया जाएगा। बुंदेली सेना ने लोगों से अपील की है कि नदी में पालीथिन कचरा कतई न फेंकें। अभी भी धर्मभीरु लोग बड़े पैमाने पर नदी में पालीथिन कचरा फेंक रहे हैं और बाद में वही लोग नदी प्रदूषण को लेकर चिंता भी व्यक्त करते है। बताया कि दीपावली के पूर्व हजारों की तादाद में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियाँ नदी में विसर्जित की जाती हैं। पिछले कई वर्षों से बुंदेली सेना की अपील पर सैकड़ों लोग मूर्तियों को नदी किनारे चबूतरे में रख जाते हैं। बाद में इन मूर्तियों का भू-विसर्जन करा दिया जाता है। जो लोग नदी में मूर्तियाँ फेंक जाते हैं वह लोग भी चबूतरे में ही मूर्तियों को रखें। नदी सभी की है और सभी के सहयोग से ही नदी को बचाया जा सकता है। सफाई अभियान में चुन्नीलाल निषाद, गया रैकवार, जानकी शरण गुप्ता, अतुल सिंह, वीपी पटेल आदि का योगदान रहा।

संक्षेप

कथा वाचिका चित्रलेखा की कथा

सुलतानपुर(आरएनएस)। एक सप्ताह तक चलने वाले श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान का शुभारंभ पर पूरे लदई गांव में भाजपा नेता रामचन्द्र मिश्र के संयोजन में शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों महिला, पुरूष भक्तों ने हिस्सा लिया। पूरे लदई बहमरपुर गांव में श्रीमद्भागवत कथा भाजपा के सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रामचन्द्र मिश्र के संयोजन में हो रही है। आयोजक श्री मिश्र ने बताया कि जगन्नाथ पुरी व चारों धाम यात्रा के बाद कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी चित्रलेखा लोगों को कथा का रसपान करा रही है। 26अक्टूबर को भण्डारे का आयोजन किया गया है। श्री मिश्र ने अधिक से अधिक संख्या में कथा का रसपान करने के लिए लोगों का आह्वान किया है। भाजपा नेता डॉ आर ए वर्मा, एमएलसी शैलेन्द्र सिंह, सांसद सीमा द्विवेदी, सुभाष तिवारी, आलोक तिवारी ने देवी चित्रलेखा का स्वागत किया। कथा में राम धीरज मिश्र, राम अवध मिश्र, राम मूर्ति मिश्र सहित काफी संख्या में महिलाएं, पुरूष व बच्चे उपस्थित रहे।

एंटी करप्शन विजलेंस की ताबड़तोड़ कार्यवाही से लेखपाल संघ मुखर

बल्दीरायध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। लेखपाल पर एन्टी करप्शन विजलेंस टीम द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाही करने से लेखपाल संघ मुखर हो गया है। शनिवार को संघ के अध्यक्ष संतराम के नेतुत्व में प्रमुख सचिव गृह उ०प्र० को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बल्दीराय आईएएस गामिनी सिंगला को सौंपा है।लेखपाल संघ ने आरोप लगाया कि एंटी करप्शनधविजिलेंस टीम बिना जाँच पड़ताल के ताबड़तोड़ कार्यवाही करती है। संघ का आरोप है कि हम लोग पब्लिक के बीच रहते है, नाप जोख में कोई न कोई पक्ष प्रभावित होता है, साजिशन हम पर आरोप लगा कर कार्यवाही करवा देता है। संघ ने मांग की है कि एंटी करप्शन विजिलेंस की टीम कार्यवाही से पूर्व स्थित की जांच करके तब कार्यवाही करे। इस मौके पर अध्यक्ष संतराम यादव, उपाध्यक्ष शुखराज यादव, रामयज्ञ यादव, उपमंत्री शुभद्रा कौशल, कोषाध्यक्ष रविंद्रा प्रताप सिंह, एडीटर कमलेश कुमार सरोज सहित लेखपाल उपस्थित रहे।

हमारी रुचि जनता द्वारा :श्यामलाल

सुलतानपुर(आरएनएस)। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में विकास खण्ड दोस्तपुर के मऊहारी आशापट्टी में डा. सियाराम निषाद के नेतृत्व व वंशराज पाल व गुड्डू निषाद के संरक्षण में शिक्षा जागरूकता की मीटिंग की गई।मोस्ट कल्याण संस्थान के निदेशक शिक्षक श्यामलाल "गुरूजी" ने कहा कि आज के लोकतंत्र में जनता को सिर्फ वोट देने का अधिकार रह गया है चुनाव के बाद अपने ही प्रतिनिधि पर जनता का कोई अंकुश नहीं होता है। हमारी रुचि सांसद और विधायक बनने की नहीं बल्कि हमारी रुचि जनता द्वारा अपने सेवकों अर्थात सांसदों, विधायकों को नियंत्रित करने की है। इस मौके पर प्रदेश मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, ब्लॉक संयोजक दोस्तपुर कुमार दिवाकर, निःशुल्क मोस्ट कोचिंग संचालक राम सुभावन, छोटेलाल, रामहित, रोशनलाल, बाबूराम, कोटेदार राधेश्याम, पवन कुमार, रामचन्द्र, राम निहाल सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

अमेरिकी कंपनी में चिंत्रांशु का चयन

चित्रकूट। अमेरिकी कंपनी में तीन चक्र के प्रशिक्षण में सफल होने के बाद 72 लख रुपए सालाना पैकेज में भरतकूप के ग्राम भरथौल भांगा निवासी इंजीनियर चित्रांशु मिश्रा पुत्र चंद्रभूषण मिश्रा उर्फ मुन्ना गौतम के चयन पर उनके माता, पिता, भाई, बहनों ने खुशी जाहिर की है। सेंट थॉमस स्कूल के प्रधानाचार्य डेनिस एम ने भी शुभकामनाएं दी है। यह जानकारी सीतापुर निवासी समाजसेवी सूरज सोनी ने दी है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

राजापुर (चित्रकूट)(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रगौली में एक युवक ने बंद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।शनिवार की सुबह करीब नौ बजे ग्राम पंचायत रगौली प्रधान विजय निषाद का मझला पुत्र बालकेश (28) मकान के दूसरे मंजिल पर सो रहा था। जब दरवाजा नहीं खुला तो मृतक की भाभी ने देखा कि उसका देवर छत में लगे हुक मे मफलर से फंदे पर लटक रहा था। परिजन आनन फानन फदे से नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक बालकेश चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। मृतक के दो पुत्र कृष्ने और सर्वेश है। मां शिव कालिया, पत्नी रामरति का रो-रोकर बुरा हाल है।

तीसरे दिन मिली नितिन की लाष

जौनपुर (आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी 15 वर्षीय नितिन सिंह की लाश तीसरे दिन गोमती नदी के केशवपुर के मलुही घाट पर मिली।शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया।नितिन के दरवाजे पर सैकड़ो की संख्या लोग जमा हो गए।ज्ञात हो शिवपुर गांव निवासी धुरेन्द्र सिंह की माता का निधन तीन अक्टूबर को हुआ था।परिवार के लोग जगदीशपुर पम्प कैनल के पास घाट नहाने जाते थे।रविवार को दादी का घाट नहाते समय नितिन सिंह पुत्र धुरेन्द्र सिंह गोमती नदी डूब गया था।उसके साथ चार अन्य लड़के भी डूब रहे थे।तीन को लोगों ने बचा लिया था।स्थानीय पुलिस तथा गोताखोर भी नितिन को ढूंढ रहे थे।उसका कुछ पता नही चल पाया।आखिर में थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने अधिकारियों से बात करवाकर सोमवार को वाराणसी से एनडीआरएफ की टीम को बुलवाया।एनडीआरएफ टीम नदी में तीन किमी तक लगातार प्रयास किया।उसे भी सफलता नही मिली।

आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर (आरएनएस) । मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला के साथ दो दिन छेड़खानी करने के आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। एक गांव निवासी एक महिला क्षेत्र के एक प्राइवेट अस्पताल में कार्य करती है। महिला का आरोप है कि उसके साथ दो दिन तक एक युवक पीछा करने, छेड़खानी करने के साथ ही जान से मारने की धमकी भी दिया। महिला की लिखित तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुंगरा बादशाहपुर नगर के साहबगंज मोहल्ले के निवासी आरोपी जावेद अहमद पुत्र मंजूर अहमद के खिलाफ धारा 115(2), 352, 75, 351(2), 126(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मुंगरा बादशाहपुर संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही उचित कार्यवाही की जाएगी।

अभद्रता और नाजायज दबाब बनाने को लेकर

मीरजापुर । बुंदेलखंडी वार्ड के सभासद सतीश केसरवानी के पुत्री एवं पुत्रों द्वारा आए दिन की जा रही अभद्रता एवं विभागाध्यक्षों पर नाजायज दवाब बनाने को लेकर इमामगंज वार्ड के सभासद ऋषभ जायसवाल ने पालिका के अन्य सभासदों के साथ नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी से मुलाकात कर पत्रक सौप कार्यवाही करने की मांग की है।बता दे इमामगंज के सभासद ने कहा है की पालिका में जाने पर बुंदेलखंडी वार्ड के सभासद के दोनो बेटे और बेटियां आए दिन अमर्यादित शब्दो का प्रयोग एवं गलत टिप्पणी किया करते है।पालिका के सभी विभागाध्यक्षों के साथ गलत कामों को कराने को लेकर भी नाजायज दवाब बनाने का कार्य करते है।गुरुवार की रात भी वार्ड की समस्या को लेकर जब मैं नपाध्यक्ष के कैंप कार्यालय पर पहुंचा तो पहले से ही मौजूद सभासद के पुत्र एवं पुत्री ने अभद्रता की एवं गाली गलौज पर उतारू हो गए। जबकि इन सभासद के बेटी और पुत्रो का कोई अधिकार नही बनता की वे पालिका के कार्यों में हस्तक्षेप करे।कई बार तमाम सभासदों ने इनके अभद्रता और हस्तक्षेप को लेकर पालिकाध्यक्ष से मौखिक शिकायत भी की जा चुकी है लेकिन फिर भी इनके पुत्री एवं दोनो पुत्रो द्वारा पालिका के कार्यों में बाधा पहुंचाई जाती है।इसलिए इनके द्वारा पालिका के कार्यों में किए जा रहे हस्तक्षेप को रोकने के लिए नपाध्यक्ष से कार्यवाही करने की मांग की गई है।

भंडारे में उमड़ी श्रदालुओं की भीड़

सुल्तानपुर (आरएनएस)। मातारानी के भक्तों के लिए हर वर्ष महिला थाने के सामने मकरंद तिवारी काम्प्लेक्स करौंदिया स्थित पत्रकार मनोज तिवारी के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। बीते बुद्धवार को देर शाम विधि-विधान से भंडारे का श्रीगणेश किया गया, भक्तों को प्रसाद ग्रहण करने में दिक्कत न आए इसके लिए दर्जनों सेवादार लगाकर आने वाले दर्शनार्थियों को प्रसाद ग्रहण कराने का सिलसिला शुरू हुआ। हजारों की संख्या में मां के भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया, पत्रकार मनोज तिवारी ने बताया कि मातारानी का आशीर्वाद भक्तगण और उनकी सेवा में लगे सेवादारों पर बनी रहे, उन्होंने कहाकि प्रतिवर्ष मां के भंडारे में ऐसे ही भक्तजनों की भीड़ उमड़ती है और उन्हीं की कृपा से आने वाले सभी जाति, धर्म के भक्तगण प्रसाद ग्रहण करते है,।

योजना के 4 साल बाद भी गांवों में पानी नहीं

सोनभद्र(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल के नेतृत्व में जल जीवन मिशन अधिशाषी अभियंताधमिशन संचालक को हर घर नल जल से संबंधित समस्याओं को लेकर सोमवार को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से और योगी आदित्यनाथ स्वयं सोनभद्र आकर 22 को फीता काटकर 2892 करोड़ के जल जीवन मिशन की शुभारंभ किया था और जनता को आश्वासन दिया था कि यह परियोजना मार्च 2024 तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगी। जिससे हर घर नल जल पहुंचेगा, लेकिन आज 4 साल बाद भी आधे गांवों में भी नल तक नहीं लग पाया है, कई क्षेत्र में पाइप बिछाने के लिए खुदाई हो रही है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को प्रशासन से धमकी मिलती हैं। रॉबर्ट्सगंज विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा हर घर नल जल के सप्लाई के समय में बदलाव होना चाहिए। जहां नल लगा है वहां भी कई नलों से दूषित पानी आने की सूचना मिली है। जहा पानी आ रहा वहा ऐसे समय पर आ रहा है, कभी 10 बजे कभी 11बजे, जब किसान मजदूर अपने कामों पर चले जाते है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों को विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन का भय दिखाया गया है। अगस्त माह में कई आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के घर तक पुलिस गई थी।

गोविंद राव बने निर्विरोध चेयरमैन

कुशीनगर। जनपद के लक्ष्मीगंज केन यूनियन के अध्यक्ष पद के गुरुवार को हुए चुनाव में धनंजय गोविंद राव निर्विरोध निर्वाचित हो गए। नियत समय तक उनके अलावा कोई अन्य पर्चा दाखिल नहीं किया गया। फिर एक बार पूर्व राज्य मंत्री राधेश्याम सिंह और उनके पुत्र रामकोला ब्लाक प्रमुख दिग्विजय सिंह लक्ष्मण अपनी राजनीतिक कौशल दिखाते हुए विपक्षियों को मात देने में सफलता पाई है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।केन यूनियन के चुनाव का बिगुल बजते ही रामकोला ब्लाक प्रमुख दिग्विजय सिंह लक्ष्मण अपने पिता पूर्व राज्य मंत्री राधेश्याम सिंह से आशीर्वाद लेकर चुनावी मैदान में उतर गए। प्रमुख श्री सिंह ने रातों दिन एक करते हुए डेलिकेट पर से ही राजनीतिक रणनीति बनाना शुरू कर दिया।

जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता स्वामीनाथ वर्मा निवासी मुरैनी ने बताया कि प्रार्थी भूमि सम्बन्धी विवाद का प्रार्थना पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत किया था परन्तु एसएचओ सांगीपुर आज तक आपके आदेश का पालन नहीं करा सके बल्कि मनगढ़ंत और फर्जी रिपोर्ट लगाकर प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ सांगीपुर को निर्देशित किया है कि मौके पर जाकर उचित कार्यवाही करें एवं आख्या उपलब्ध करायें। शिकायकर्ता साधूराम मौर्य निवासी दांदूपुर अहिबरन ने शिकायत किया कि विपक्षीगण ललित कुमार, राम बरन व गनेश द्वारा जानबूझकर विवादित भूमि में न्यायालय के आदेश का उल्लंघन कर रहे है जिस पर जिलाधिकारी ने एसएचओ अन्तू को निर्देशित किया है कि स्थगनादेश का अनुपालन कराया जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें।

संदिग्ध दशा में मिला ट्रैक्टर चालक का शव

चित्रकूट। ट्रैक्टर चालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत के पास मिला। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या करने की आशंका जताई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई कराने की बात कही है।

पहाड़ी थाना क्षेत्र के खरसेंडा गांव के चंद्रहास वर्मा ने बताया कि उसका बड़ा भाई रज्जू वर्मा (19) ट्रैक्टर चलाता था। गुरुवार की शाम को वह खेत जाने की बात कहकर घर से निकला था। अंधेरा होने के बाद भी घर न आने पर परिजनों ने खेत में जाकर ढूंढा तो रज्जू एक स्थान पर बेहोशी हालत में मिला। उसने अंडरवियर पहन रखा था। ऐसा लगा कि नहाने के बाद वह वहीं पर लेटा था। आनन फानन परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल ला रहे थे लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल में डॉक्टरों ने भी उसके मौत की पुष्टि की। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि गांव के ही एक परिवार से उनकी रंजिश है। रज्जू को वह परिवार दो बार फर्जी मामले में फंसा चुका है। ऐसे में उन्हीं के द्वारा रज्जू की हत्या किये जाने की आशंका है। थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। सभी बिन्दुओ पर जांच कर पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच दल ने लिए खाद्य पदार्थो के सैम्पल—चित्रकूट। खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन विभाग लगातार जांच अभियान चला रहा है। शुक्रवार को खाद्य पदार्थ सिघांड़ा आटा का एक नमूना संग्रहीत किया। सोशल मीडिया एक्स पर प्राप्त शिकायत का निस्तारण करते हुए मे. कामधेनु स्वीट्स कर्वी से काजू की बर्फी का नमूना लेकर जांच को लैब भेजा है। इसके अलावा टीम ने खाद्य पदार्थों के दो सैम्पल एकत्र किए हैं।

मानवाधिकार जीवन का मूलभूत अधिकार—सोमेन

बल्दीरायध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा चौराहे पर मूर्ति विसर्जन के अवसर पर पत्रकार एकता संघध्मानवाधिकार संरक्षण के राष्ट्रीय प्रभारी डीपी गुप्ता के दिशा निर्देशन व जिला सचिव राजदेव यादव के नेतृत्व तथा तहसील अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता और गोमती मित्र मंडल तहसील अध्यक्ष बब्बन वर्मा की अध्यक्षता में लगे समिति कैंप का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा व एसडीएम गामिनी सिंगला (आई.ए.एस.) नें फीता काटकर किया। तत्पश्चात सोमेन वर्मा व गामिनी सिंगला नें मां दुर्गा की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर आराधना की। इसी क्रम में टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा तथा उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला का माल्यार्पण कर, बैज लगाकर अंगवस्त्र साल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। समिति की गतिविधियों के बारे में टीम द्वारा अवगत कराने पर सोमेन वर्मा व गामिनी सिंगला नें पूरी टीम की सराहना करते हुए टीम का उत्साह वर्धन कर अपने संबोधन में कहा कि मानवाधिकार के मौलिक अधिकारों व सामाजिक संरक्षणों का जो कदम समिति ने उठाया है वह बहुत ही प्रशंसनीय है, समिति की टीम को जहां भी जरूरत होगी वहां पर प्रशासन द्वारा मदद की जाएगी। समिति की महिला टीम उर्मिला देवी, रीता दुबे व शिक्षिका रीचू द्वारा सामूहिक रूप से खंड विकास अधिकारी वैशाली चोपड़ा (आई.ए.एस.) का अंग वस्त्र साल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया । जिला सचिव राजदेव यादव नें संगठन की गतिविधियों के बारे में खंड विकास अधिकारी द्वारा पूछे जाने पर बताया कि मानव अधिकार के कार्यक्षेत्र में मानव जीवन के अधिकारों के उल्लघंन के खिलाफ लड़ना भी शामिल है। आयोजक डॉ. नरेंद्र यादव नें एसडीएम व खंड विकास अधिकारी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान जेपी मौर्य, शिवशंकर चौधरी, राजकमल यादव, नन्हे लाल यादव, केदारनाथ यादव, संगम लाल मौर्य, प्रेम कुमार, शिवराम, मंजीत, श्रीप्रकाश, ललन आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जगध्यान यादव ने किया।

छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत

जौनपुर (आरएनएस)। नगर थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हमाम दरवाजा में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी। रुखसार हैदर के 18 वर्षीय पुत्र मोजिज हैदर ने अपने घर के एक कमरे में पंखे से लटक कर जान दे दी। घटना उस समय की बताई जा रही है जब मोजिज के माता-पिता, रुखसार हैदर और रजिया फातिमा, घर को बंद करके बैंक और बाजार के काम से बाहर गए थे। जब दोनों वापस लौटे और घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद पाया, तो उन्होंने पड़ोसी की छत से घर में दाखिल होकर दरवाजा खोला।

जैसे ही वे कमरे में पहुंचे, उन्होंने अपने बेटे को पंखे से लटका पाया। यह दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया। तुरंत ही पुलिस को सूचित किया गया और मौके पर पहुंची पुरानी बाजार चौकी की पुलिस ने घटना स्थल को सुरक्षित कर लिया। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया ताकि मौत के कारणों की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस इस मामले को हत्या या आत्महत्या दोनों संभावनाओं के साथ देख रही है। मोजिज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ।

कानून व्यवस्था को लेकर एसपी ने की समीक्षा बैठक

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में कानून व्यवस्था, अभियोजन एवं महिला अपराधों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने ई-प्रासीक्यूशन पोर्टल पर दैनिक अभियोजन कार्यों की फीडिंग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दी जाने वाली आर्थिक सहायता व अभियुक्तों को सजा दिलाए जाने की स्थिति, गिरोहबंद अधिनियम, महिला संबंधी अपराधों, पास्को अधिनियम, आपराधिक वादों, सम्मन, वारंट तामीला, आयुध अधिनियम, आर्म्स एक्ट, टॉप 10 अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही,

➤ मातहतों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने को अराजक, उपद्रवी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही, ओवरलोड परिवहन, अवैध खनन, विषाक्त नशापत्ती मुक्त से संबंधित प्रवर्तन कार्य, आगामी त्योहारों एवं राष्ट्रीय पर्वों के दृष्टिगत खाद्य पदार्थ एवं औषधियों पर मिलावटखोरी के नियंत्रण, अवैध टैक्सी, बस स्टैंड, रिक्शा स्टैंड, अवैध वाहनों के संचालन तथा अवैध वसूली, सड़कों पर अवैध अतिक्रमण, गोवंश वध, दुधारू पशुओं एवं गोवंश के अनाधिकृत परिवहन की घटनाओं, एसिड तेजाब की दुकानों तथा अवैध विक्रय के नियंत्रण, शांति एवं कानून व्यवस्था, गैंगस्टर एक्ट आदि विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बीएसए व ढीआईओएस को निर्देश दिए कि विद्यालय वाहनों के परमिट, वाहन चालक, परिचालक की चेकिंग अवश्य कराए। गर्ल्स छात्रावास में क्षेत्र के पुलिस अधिकारी रात्रि में गस्त अवश्य करें। कहा कि महिला संबंधी अपराधों, माफियाओं, आर्म्स एक्ट टॉप 10 अपराधियों आदि के खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि जो वाहन पकड़े गए हैं और वह थाना के सामने सड़कों पर खड़े हैं उनकी तत्काल नीलामी की कार्रवाई करें। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तथा खनिज अधिकारी को भी निर्देश दिए कि संबंधित वाहनों का भी निस्तारण कराया जाए। बैठक में एडीएम उमेश चन्द्र निगम, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, एसडीएम मऊ सौरभ यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, मानिकपुर पंकज वर्मा, सीओ सिटी राजकमल, राजापुर सीओ निष्ठा उपाध्याय, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विवेक शुक्ला, सहित संबंधित अधिकारी, शासकीय अधिवक्ता, थानाध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

कथा व्यास ने चार पुरुषार्थो पर दिया व्याख्यान

चित्रकूट(आरएनएस)। पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा के पुत्र स्व प्रकाश मिश्रा की आत्मशांति बार्षिकी मे श्रीमद भागवत कथा सप्ताह यज्ञ के तृतीय दिवस कथा व्यास डॉ रामनारायण त्रिपाठी नें कहा कि शिव साक्षात धर्म हैं। चतुर्थ स्कन्ध मे चार पुरुषर्थो की चर्चा मे सर्वप्रथम धर्म की व्याख्या के लिए शिव सती चरित्र सुनाया। अर्थ के लिए ध्रुव चरित्र, काम के लिए पृथू चरित्र, मोक्ष के लिए पुरंजन चरित्र से सुंदर मीमांसा चारों पुरुषार्थ की समझाई। ज्ञान व्यवहर मे कैसे आये ऋषभ देव और जड़ भरत के चरित्र से बताया। पाप कर्मो का फल नर्क की यातनाये हैं। इनसे बचने का उपाय भगवान के नाम जपने के साथ सत्कर्म से पापो का प्रयाश्चित करना चाहिए। अंत मे वृत्त चरित्र से वृत्तिओ को वदलने और ईस्वर चिंतन से सच्चे सुख की प्राप्ति का वर्णन किया।

ब्वायज् हाई स्कूल एवं कालेज में 'ऐलफ्रेस्को 2024' का दूसरा दिन

प्रयागराज। 'एल्फ्रेस्को 2024' के दूसरे दिन की शुरुआत 'वोकैबक्वेस्ट' के लिए छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ हुई, जो साहित्यिक शब्द की खोज करने वाली एक प्रतियोगिता थी। इससे पहले, प्रिंसिपल श्री डी. ए. ल्यूक ने विभिन्न स्कूलों से आए छात्रों का स्वागत किया। समर्थ खरे ने अन्य कप्तानों के साथ अपने स्कूलों का नेतृत्व किया। दूसरे कार्यक्रम 'सुर संग्राम' में विभिन्न स्कूलों द्वारा कुछ शानदार प्रदर्शन किए गए। दर्शकों ने भी जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद 'सिंग अलोन्ग' नामक समूह गान प्रतियोगिता हुई। कुल सात टीमों ने भाग लिया और उनकी शानदार प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आखिरी ऑन स्टेज इवेंट 'हैप्पी फीट' था और इसमें भाग लेने वाली पांच टीमों ने लगभग पूर्ण तालमेल और समन्वय के साथ शानदार प्रदर्शन किया। ऑफ स्टेज इवेंट स्प्लैश, एक्सप्रेशनिज्म, कैप्शन मी, प्रतिबिम्ब और रोल द रील्स थे। दूसरे दिन के ऑन स्टेज इवेंट के परिणाम इस प्रकार हैं: वोकैबक्वेस्टः प्रथम– BHS, द्वितीय– Bishop's Co-ed(सुर संग्रामः प्रथम– BHS, द्वितीय– Bishop's Co-ed, सिंग एलोन्गः प्रथम– BHS – Bishop's Co-ed ;संयुक्त विजेता), ऑफ–स्टेज इवेंटः क्रिएटिव मूसः प्रथम– BHS, द्वितीय– Khelgaon – Bishop's Co-ed ;संयुक्त विजेता); एक्सप्रेषनिज्मः प्रथम– BHS, द्वितीय– St. John's Co-ed – Srinivasan Ramanujan ;संयुक्त विजेता); स्प्लैषः प्रथम– Bishop's Co-ed, द्वितीय– St. John's Co-ed; रोल द रील्सः प्रथम– BHS, द्वितीय– Bishop's Co-ed.

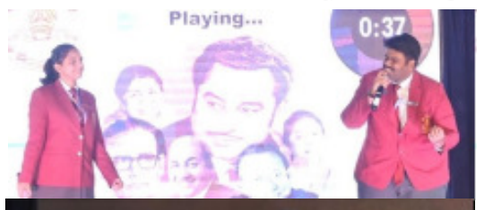

देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें

प्रयागराज। भारत विकास परिषद प्रयाग प्रांत की लक्ष्य शाखा द्वारा लिखित भारत जानो प्रतियोगिता के बाद प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन थियोसोफिकल सोसायटी हॉल आनंद लॉज में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बी. एच. यू. के पूर्व उप कुलपति डॉक्टर गिरीश चंद्र त्रिपाठी जी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में लिखित में 12 विद्यालयों ने भाग लिया था जिसमें से आठ विद्यालयों ने प्रश्न मंच में सहभाग किया। जूनियर में महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर प्रथम, एम .वी. कॉन्वेंट इंटर कॉलेज द्वितीय ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर गंगा पुरी तृतीय नंबर पर रही। सीनियर में एम वी कॉन्वेंट प्रथम महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर द्वितीय ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर गंगा पूरी तृतीय स्थान पर रही। भारत जानो प्रतियोगिता का उद्देश्य स्कूल स्तर से बच्चों में अपने देश का सही इतिहास, उसकी भौगोलिक राजनीतिक ,सांस्कृतिक वैज्ञानिक क्षेत्र की विस्तृत जानकारी होना है।भारत प्राचीन काल से ही समृद्ध और विस्तृत सभ्यता संस्कृति का देश रहा है।प्राचीन कार्यकाल से ही भारत में नारी का सम्मान होता था यही कारण है कि यज्ञ अनुष्ठान में पुरुषों के साथ उनकी पत्नी का होना आवश्यक होता है। विदेशी आक्रांताओं ने हमारे देश पर आक्रमण किया था और हमारी सभ्यता संस्कृति को नुकसान पहुंचाया था इन्हीं सभ्यता संस्कृति को पुनः स्थापित करना है और बच्चों को उनके अधिकार के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध भी करना है क्योंकि ६देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें ६ऐसी भावना होगी तभी बच्चों के मन में, भावी नागरिकों के मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण और सम्मान होगा। राष्ट्र सर्वोपरि है ,यदि राष्ट्र संगठित और सुरक्षित है तभी हमारा अस्तित्व है अन्यथा हमारा कोई अस्तित्व नहीं होगा। कार्यक्रम का आरंभ भारत विकास परिषद के आदर्श भारत माता और भारत स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अध्यक्ष नीरज जायसवाल ने सभी का स्वागत किया। भारत विकास परिषद का परिचय एवं प्रतियोगिता की उपयोगिता विषय पर राष्ट्रीय सदस्य पर्यावरण श्री अरुण जायसवाल जी ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक श्री अनूप जैन जी ने प्रतियोगिता का परिणाम बताया और सभी टीमों को अपना आशीर्वाद दिया। सचिव संध्या जायसवाल ने कार्यक्रम का भली–भांति संचालन किया, धन्यवाद ज्ञापन भारत को जानो के संयोजक घनश्याम वैश्य ने किया। जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता का संचालन शाखा सचिव संध्या एवं शाखा के उपाध्यक्ष संस्कार गिरीश जायसवाल ने किया। सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता का संचालन श्री रविंद्र साहू और श्री घनश्याम वैश्य जी ने किया।दोनों टीमों से 6 राउंड प्रश्न पूछे गए, सभी विजेता प्रथम द्वितीय तृतीय दोनों वर्ग की टीमों को मोमेंटो, सर्टिफिकेट एवं उपहार दिए गए। कार्यक्रम में श्री जितेंद्र कुमार, परमानंद मणि त्रिपाठी जी ,बीके गुप्ता जी, शशि गुप्ता, केशव मोहन गुप्ता जी, मंजू गुप्ता, वेद प्रकाश श्रीवास्तव जी,डीपी श्रीवास्तव, रीजनल सचिव संस्कार निशा जयसवाल, निशांत पुरवार, सुभाष तिवारी, रेखा तिवारी, राकेश तिवारी, विमल श्रीवास्तव, विभा श्रीवास्तव ,रीजनल सचिव पर्यावरण सुनील धवन ,अजीत श्रीवास्तव,राजश्री श्रीवास्तव ,सोनू जायसवाल, सुषमा वैश्य प्रांत के संरक्षक शिवनंदन गुप्ता जी,मधुबाला श्रीवास्तव जी पी सी श्रीवास्तव जी प्रांत के महासचिव अमित श्याम जी आदि ने अपना अमूल्य समय देकर कार्यक्रम को भव्य बनाया।

कैबिनेट मंत्री ने सदस्यता ली

प्रयागराज। भाजपा सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी व पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी को पार्टी की सक्रिय सदस्यता दिलाई गई। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने उक्त नेताओं को सक्रिय सदस्यता दिलाई। इस दौरान कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आरंभ हुए इस अभियान से अवश्य जुड़ें और श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश् के संकल्प को मजबूत करें। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से प्रयागराज महानगर सदस्यता अभियान में अपनी मजबूत अवस्थित दर्ज करा रहा है। सक्रिय सदस्यता में भी कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान दीप द्विवेदी, समित वैश्य, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती, अवनीश तिवारी, अनूप मिश्रा उपस्थित रहे।

United Nations Day is celebrated at the Institute of Gandhian Thought & Peace Studies.

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग और आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ष्कर्बलाश और श्रंगभूमिश के सौ सालष विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

रूपये से सबकुछ नहीं खरीदा जा सकता है

प्रयागराज। श्वागर्थश के सम्पादक एवं वरिष्ठ आलोचक प्रो० शम्भुनाथ ने कहा कि ष्स्मृतियों के बहिष्कार के दौर में रंगभूमि और कर्बला पर आज सौ साल बाद चर्चा करना बहुत प्रासंगिक है। प्रेमचन्द की कृति रंगभूमि व्यापारध बाजार राज्य के प्रवेश और उससे होने वाले खतरों को पहचानने वाली कृति है। श्रंगभूमिश के सूरदास का यह सन्देश है कि सबकुछ बिकाऊ नहीं है। पूँजी आधारित विकास ने हमारी संवेदना, कल्पनाशीलता और विवेकशीलता को साथ ही हमारे अंतःकरण को नष्ट कर दिया है। आज हमारे समय में सबसे बड़ा हमला मनुष्य के अंतःकरण पर किया जा रहा है। ऐसे में रंगभूमि के नायक सूरदास का नैतिक साहस हमें इसके प्रतिरोध की शक्ति देता है। प्रेमचन्द अपने समय की बहुत सारी प्रवृत्तियों और स्थितियों को रंगभूमि के माध्यम से उठाते हैं। उनका यह उपन्यास महज नेशनल एलिगरी नहीं है। जैसा कि फ्रेडरिक जैम्सन तीसरी दुनिया के उपन्यासों के सन्दर्भ में मानते हैं। रंगभूमि पर चर्चा करना आत्मनिरीक्षण से गुजरना है। इसी व्यवस्था को औद्योगिक व्यापारिक चंगुल में लेने और किसानों की स्वतंत्रता के अपहरण की कोशिश के खघ्तरे को रंगभूमि में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से उठाया गया है। कर्बला और रंगभूमि के बीच आवाजाही दिखती है। दोनों कृतियों में जो बात उभयनिष्ठ है कि सबकुछ रूपये से नहीं खरीदा जा सकता। उक्त उद्‌गार हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से कर्बला और रंगभूमि के सौ साल विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र में बोलते हुए हिन्दी के वरिष्ठ आलोचक और वागर्थ के सम्पादक प्रो० शम्भुनाथ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डीन कला एवं विज्ञान संकाय प्रो० बेचन शर्मा ने प्रेमचन्द और उनकी कृतियों के पुनर्पाठ को अत्यन्त प्रासंगिक बताया। उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो० लालसा यादव ने हिन्दी विभाग के शताब्दी वर्ष में प्रेमचन्द की इन दोनों कृतियों के सौ वर्ष पूरा होने पर इस गोष्ठी के महत्व को रेखांकित किया। गोष्ठी के आरम्भ में संयोजक प्रो० आशुतोष पार्थेश्वर ने अपने स्वागत एवं संयोजकीय वक्तव्य में गोष्ठी की संकल्पना, रूपरेखा एवं प्रमुख मुद्दों की ओर वक्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी का आरम्भ दीप प्रज्वलन और मंचस्थ अतिथियों का गुलदस्ता एवं स्मृति चिह्न से स्वागत के साथ हुआ।

Logo designing competition

Prayagraj! Under the patronage of Vice Chancellor, University of Allahabad, Prof. Sangita Srivastava, the Incubation Center of the University organized a "Logo designing competition" which required the participants to create a logo for a business organisation. The Competition was opened on 01 October 2024 and last day of submitting entries was 22 October 2024. The event was organized under the guidance of Prof. S.I. Rizvi and Prof. Ashish Khare, Directors of Navkalpana Innovation and Entrepreneurship Foundation. The aim of the programme was to foster the creative thinking among students and to encourage them to learn to use creative digital designing for commercial application. 81 students from Students of 25 departments registered for the competition. Prof. Shanthy Sundaram was the coordinator Dr. Rajesh Kumari was the Co-coordinator of the event. The event was convened by Dr. Shefali Nandan, Coordinator, Incubation Centre. Other members of the Incubation Cell, Prof. Neelam Yadav, Dr. Simant Srivastav, Dr. Chakadola Panda, Dr. Cherita Khangembam, Dr. Rohit Singh, were present to motivate the students.

प्रयागराज विकास प्राधिकरण

(आवश्यक सूचना)

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट, इलाहाबाद द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 जिसका क्षेत्रफल 374.00 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 12.12. 1938 के माध्यम से श्री लालता प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र श्री दरबारी लाल के पक्ष में विक्रय किया गया। श्री लालता प्रसाद पुत्र श्री दरबारी लाल द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 जिसका क्षेत्रफल 374.00 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 08.08.1946 के माध्यम से श्रीमती आलिया बेगम पत्नी जाहिद हुसैन व श्रीमती सालिहा खातून पत्नपी एजाज हुसैन के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती आलिया बेगम पत्नी जाहिद हुसैन भारत से बाहर रहने के कारण अपने उक्त प्लाट नं0–64 के 1ध्2 भाग की समस्त देखभाल करने हेतु श्री एजाज हुसैन पुत्र स्व० मोहम्मद अब्दुल रहमान को दिनांक 07.07.1948 के माध्यम मुख्तारेआम नियुक्त किया गया। तत्पश्चात् उक्त वर्णित प्लाट नं0–64 क्षेत्रफल 374 वर्गगज के 1ध्2 भाग हिस्से को श्रीमती सालिहा बेगम ने व 1ध्2 भाग हिस्से को एजाज हुसैन बहैसियत मुख्तारआम श्रीमती आलिया बेगम ने रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 20.08.1948 के माध्यम से श्री माता प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री गनेशी लाल गुप्ता के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्री माता प्रसाद गुप्ता ने उक्त सम्पत्ति के जुजभाग क्षेत्रफल 164.61 वर्गगज की वसीयत अपने बड़े पुत्र श्री कृष्ण प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री माता प्रसाद गुप्ता के पक्ष में किया गया एवं शेष जुजभाग क्षेत्रफल 209.39 वर्गगज की वसीयत अपने पुत्र ऋषि कुमार गुप्ता के हक में रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 05.09.1998 निष्पादित किया गया। श्री ऋषि कुमार गुप्ता उर्फ ऋषि प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व० माता प्रसाद गुप्ता द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 120.17 वर्गगज यानी 100. 47 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 23.01.2021 के माध्यम से श्री अमिताभ पाण्डेय पुत्र श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय के पक्ष विक्रय कर दिया गया है। श्री ऋषि कुमार गुप्ता उर्फ ऋषि प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व० माता प्रसाद गुप्ता द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 43.98 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 23.01.2021 के माध्यम से श्रीमती गायत्री पाण्डेय पत्नी श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय के पक्ष विक्रय कर दिया गया है। श्री ऋषि कुमार गुप्ता उर्फ ऋषि प्रकाश गुप्ता पुत्र स्व० माता प्रसाद गुप्ता द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 17.56 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 23.01.2021 के माध्यम से श्रीमती गायत्री पाण्डेय पत्नी श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय के पक्ष विक्रय कर दिया गया है। श्रीमती उषा गुप्ता पत्नी स्व० कृष्ण प्रकाश गुप्ता द्वारा एक मुख्तारआम खण्डनीय दिनांक 27.06.2023 के माध्यम में प्लाट सं0–64 पर स्थित भवन सं0–70एध्67ए दिलकुशा पार्क, प्रयागराज के देखभाल एवं बन्दोबस्त हेतु अपना मुख्तारआम श्री आलोक पाण्डेय पुत्र श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय को नामित किया गया। श्री अमिताभ पाण्डेय पुत्र श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय, श्रीमती गायत्री पाण्डेय पत्नी श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय, श्री आलोक पाण्डेय पुत्र श्री शीतला प्रसाद पाण्डेय बहैसियत मुख्तारआम व श्रीमती उषा गुप्ता पत्नी स्व० कृष्ण प्रकाश गुप्ता द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 209.39 वर्गगज यानी 175.89 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 28.07. 2023 के माध्यम से श्रीमती सीमा सिंह पत्नी श्री गोरख नाथ सिंह, श्री गोरख नाथ सिंह पुत्र श्री राम आसरे के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती सीमा सिंह पत्नी श्री गोरख नाथ सिंह, श्री गोरख नाथ सिंह पुत्र श्री राम आसरे द्वारा इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट डीड, मुख्तारआम, सेलडीड, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं एफीडेविट ६ शपथ–पत्र संलग्न कर कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 209.39 वर्गगज यानी 175.89 वर्गमीटर पर नामान्तरण कराये जाने हेतु ऑनलाइन प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, जो इस कार्यालय में विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई विधिक आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के 15 दिन के अन्दर विहित सम्पत्ति में अपना हित स्पष्ट करते हुए अभिलेखीय साक्ष्यों सहित अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मानते हुए कि उक्त नामान्तरण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है, नियमानुसार प्राधिकरण के नियम ६ शर्तों के आधार पर कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–64 के जुजभाग क्षेत्रफल 209.39 वर्गगज यानी 175. 89 वर्गमीटर पर श्रीमती सीमा सिंह पत्नी श्री गोरख नाथ सिंह, श्री गोरख नाथ सिंह पुत्र श्री राम आसरे का नाम प्राधिकरण अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

पत्रांकः–/ प्र०अ०/३०८०धवि०प्रा० /2024

प्र०अधि० इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट प्रयागराज विकास प्राधिकरण,
प्रयागराज
दिनांक

आयोग को दोबारा नहीं मिला एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का अधियाचन, नहीं शुरू हो पा रही भर्ती

प्रयागराज। लाखों अभ्यर्थी राजकीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती पर टकटकी लगाए बैठे हैं और माध्यमिक शिक्षा विभाग ने एलटी ग्रेड शिक्षक एवं प्रवक्ता के रिक्त पदों का अधियाचन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को दोबारा भेजा ही नहीं। ऐसे में पद रिक्त होने के बावजूद भर्ती शुरू नहीं हो पा रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को सालभर पहले एलटी ग्रेड शिक्षक के तकरीबन छह हजार पदों और प्रवक्ता के चार सौ से अधिक पदों का अधियाचन मिला था। लेकिन, समकक्ष अर्हता स्पष्ट न होने के कारण आयोग ने विभाग को अधियाचन वापस कर दिया था। आयोग ने इस आधार पर दोबारा अधियाचन मांगा था कि पहले समकक्ष अर्हता स्पष्ट की जाए। ताकि, भर्ती शुरू होने के बाद अर्हता को लेकर कोई विवाद न हो। इससे पूर्व वर्ष 2018 की एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के मामले में अर्हता के विवाद के कारण ही कई अभ्यर्थी कोर्ट चले गए थे। इसी वजह से आयोग ने निर्णय लिया था कि कोई भी भर्ती हो, समकक्ष अर्हता स्पष्ट होने के बाद उसका विज्ञापन जारी किया जाएगा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग से एलटी ग्रेड और प्रवक्ता जीआईसी के पदों का अधियाचन आयोग को दोबारा नहीं मिला है। एलटी ग्रेड शिक्षक की पिछली भर्ती में 7. 64 लाख आवेदन आए थे। छह साल से नई भर्ती नहीं आई है। इस बार अधिक संख्या में आवेदन आने की उम्मीद है। 2018 के विज्ञापन के तहत एकल परीक्षा के माध्यम से भर्ती हुई थी। इस बार भर्ती के लिए दो चरणों में परीक्षा (प्रारंभिक और मुख्य) परीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए आयोग ने शासन को प्रस्ताव भी भेज दिया है। ऐसे में अभ्यर्थियों को एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के लिए अगले साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। अधियाचन मिलने और परीक्षा दो चरणों में कराए जाने की मंजूरी मिलने के बाद ही आयोग नई भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करेगा। इस बार परीक्षा केंद्र निर्धारण के नियम भी सख्त हो गए हैं। एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती के लिए लाखों की संख्या में आवेदन आने की उम्मीद है, सो परीक्षा के आयोजन में केंद्र निर्धारण का पेच भी फंसेगा। ऐसे में परीक्षा का प्रारूप भी बदला जा सकता है।

महिला प्रधानों को उनके अधिकारों व कार्यों के बारे में दिया जाए प्रशिक्षण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि महिला ग्राम प्रधानों को उनके अधिकारों व कार्यों के बारे में जागरूक किया जाए। ताकि, प्रधानपति के कार्य करने के चलन को हतोत्साहित किया जाए। यह आदेश सौरभ श्याम शमशेरी की अदालत ने गाजीपुर की जनहित याचिका पर दिया है। गाजीपुर की अंबिका यादव व अन्य ने हाईकोर्ट में गांव की आरक्षित भूमि पर पानी की टंकी–आरसीसी सेंटर बनाए जाने के विरोध में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। याची के वकील ने दलील दी कि कोई भूमि किसी विशेष उद्देश्य (जैसे चारागाह, खलिहान आदि) के लिए आरक्षित है तो उसकी प्रकृति को उचित प्रक्रिया से असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर नहीं बदला जा सकता है। केवल संबंधित ग्रामसभा के प्रस्ताव के आधार पर निर्माण की अनुमति दी गई, जो गलत है। वहीं, राज्य के वकील ने दलील दी कि पानी की टंकी और बोरिंग के निर्माण के लिए एक उपयुक्त स्थान खोजा गया, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद गांव सभा के प्रस्ताव के आधार पर उपयुक्त भूमि निर्धारित की गई और निर्माण किया गया। कुछ गांवों में निर्माण पूरा हो चुका है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सभी जनहित याचिकाओं का निपटारा किया। साथ ही संबंधित विभाग को तीन महीने की अवधि के भीतर प्रधानों, विशेष रूप से महिलाओं को उनके अधिकारों और कार्यों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया। रवींद्र नाथ राय की जनहित याचिका पर निर्देश दिया कि यदि पानी टंकी का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062